भजन

संग लाए हैं संग ले जायेंगे,ईमान कायम रखना
पिया के सन्मुख रहना

1- और काम नहीं अपने धनी जी को,लाड करें रूहों को
एक लाड ने ऐसा किया है,भूल ही बैठी उन्हें
इश्क दर्द जब,आए अर्श का,होगा मिलन फिर अपना
2- बैठी चरण तले फिर भी जुदाई,ऐसी करी अन्तराय
आशा उपजे अर्ज करूँ पर,कुछ भी कहा न जाए
बल बुध उनकी,हुकम भी उनका,आस भी उनसे ही रखना
3- पर्दे में पर्दा,तिन में यह पर्दा,सो अब सहन न होगा
सुख निजधाम के,याद हैं आए,अब यहाँ बसर न होगा
हुकम जब तक,रखे जहां में,अर्जी करते रहना